वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर

प्रगति आख्या

निःशुल्क कोचिंग

प्रेरणा

(स्थापनाः 4 फरवरी 2014)

राज कुमार

समन्वयक

https://www.facebook.com/reel/877016097284891?s=yWDuG2&fs=e&mibextid=Nif5oz

प्रेरणा का उद्देश्य

•वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के उन बच्चों को जो प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययन करते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर उनकी प्रतिभा को और बेहतर तरीके से निखारना एवं उनको भविष्य के लिए तैयार करना।

•कोचिंग के माध्यम से नई शिक्षा नीति.2020 के उद्देश्य की सार्थकता पूर्ण करना भी है क्योंकि पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय केवल ज्ञानार्जन का एक केंद्र ही नहीं है अपितु शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी तथा नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन को समझने योग्य बनाना।

•विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को समाज सेवा योग्य बनाना।

प्रो० वंदना सिंह

27 वें दीक्षांत समारोह (09 नवम्बर, 2023) के अवसर पर निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में अपनी सेवा दे रहे छात्रों को सम्मानित करते हुये माननीय कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० वंदना सिंह

दिनांक 27 अप्रैल 2024 को निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में योगदान कर रहे छात्रो को सम्मानित करते हुये विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० वंदना सिंह एवं अधिकारी गण

संक्षिप्त विवरण

- कोचिंग अपने आविर्भाव दिनांक 4 फरवरी 2014 से आज तक देवकली गाँव के पंचायत भवन में संचालित है ।
- यह कोचिंग पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के उन सभी बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है।
- कोचिंग में जरूरत मंद छात्र/छात्राओं को कॉपी/पेंसिल/पुस्तके आदि सामग्री भी उपलब्ध करा दी जाती है।
- इसके आर्थिक व्यय में सहयोग हेतु परिसर के शिक्षक सहयोग करते हैं।

संक्षिप्त विवरण ......

कोचिंग की शुरूआत दिनांक 4 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा उस समय हुआ जब विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इंजीनियरिंग संकाय की इकाई के सेवक-सेविकाएँ अपने विशेष शिविर के दौरान विश्वविद्यालय के पास के गाँव देवकली एवं भटानी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन जागरूकता रैली निकाल रहे थे। उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया ।

उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है तो वे बताये कि न तो उन्हें पढ़ाने वाला कोई है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास धन है ।उसी के ठीक अगले दिन से शिक्षकों एवं छात्रों की टीम द्वारा प्रेरणा नाम की नि:शुल्क कोचिंग प्राम्भ कर दी गयी ।

संक्षिप्त विवरण ..... प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.30 बजे तक एवं प्रातः 6.30 बजे से 8.00 बजे तक इंजीनियरिंग, विज्ञान संकाय, प्रो० रज्जू भईया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र/छात्राएं पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव में प्रेरणा नि:शुल्क कोचिंग में अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरूरत मंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं । प्रारंभ में प्रेरणा कोचिंग 30 बच्चों की संख्या से शुरू हुई थी । वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225, वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा, वर्ष 2021-22 में 148, वर्ष 2022-23 में 138 तथा वर्तमान सत्र में इस नि:शुल्क कोचिंग से 225 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं । शुरूआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र/ छात्राएं) की संख्या 8 थी जो वर्तमान वर्ष में 26 है । अभी तक इस कोचिंग से 1812 बच्चे लाभान्वित हुए हैं ।

पंजीकृत छात्र/छात्राओं की संख्या का विवरण

Class	2023-24
LKG-UKG	35
Class 1, 2	30
Class 3	20
Class 4	20
Class 5	25
Class 6	24
Class 7	10
Class 8	20
Class 9	12
Class 10	11
Class 11	07
Class 12	11
योग	**225**

प्रेरणा

निःशुल्क शिक्षण संस्थान

सत्र 2023-24 में प्रेरणा में अपना योगदान दे रहे छात्र/ छात्राएं

आयुष यादव

अफजल अली

नदीम अहमद

सैय्यद अज़मत हुसैन

अरुण गौतम

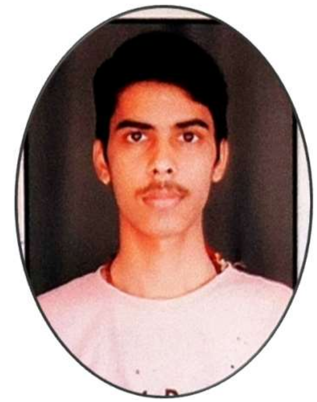
स्वर्णिम मिश्रा

कौशल प्रताप

विकास यादव

अबसार अहमद

आनंद यादव

ओमप्रकाश

अभिजीत कुमार

अभिषेक कुमार विश्वास

आदित्य दूबे

मोहम्मद अनीस

सौरभ सिंह

अमन कुमार यादव

श्रेया मिश्रा

ऋचा यादव

खुशी साहू

सुनैना यादव

प्राची मौर्या

रवि सैनी

विकास विश्वकर्मा

सत्यम तिवारी

अंकित ठाकुर

विभिन्न गतिविधियों के चित्र-संग्रह

प्रेरणा के बच्चो को नैतिक मूल्यों से अवगत कराते हुए डॉ इन्द्रेश गंगवार

प्रेरणा के बच्चो को भौतिकी प्रयोगशाला से अवगत कराते हुए डॉ संतोष कुमार

देवकली गांव के आस-पास के ग्रामीण अभिभावकों को देवकली के पंचायत भवन में प्रेरणा के बारे में अवगत कराते

प्रेरणा के बच्चों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए

चित्र-संग्रह

विभिन्न अवसरों पर कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते हुए प्रेरणा के छात्र एवं छात्राएं

24 वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर कुलपति आवास पर प्रेरणा कोचिंग में सहयोग प्रदान कर रहे छात्रों का अभिवादन स्वीकार करती हुई माननीय कुलाधिपति

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रेरणा कोचिंग में ग्रामीण बच्चों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर माननीय कुलपति जी के साथ समूह चित्र

अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं द्वारा प्रेरणा के बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान की परीक्षा का आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत प्रेरणा कोचिंग में अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र

प्रेरणा कोचिंग में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कराते हुए

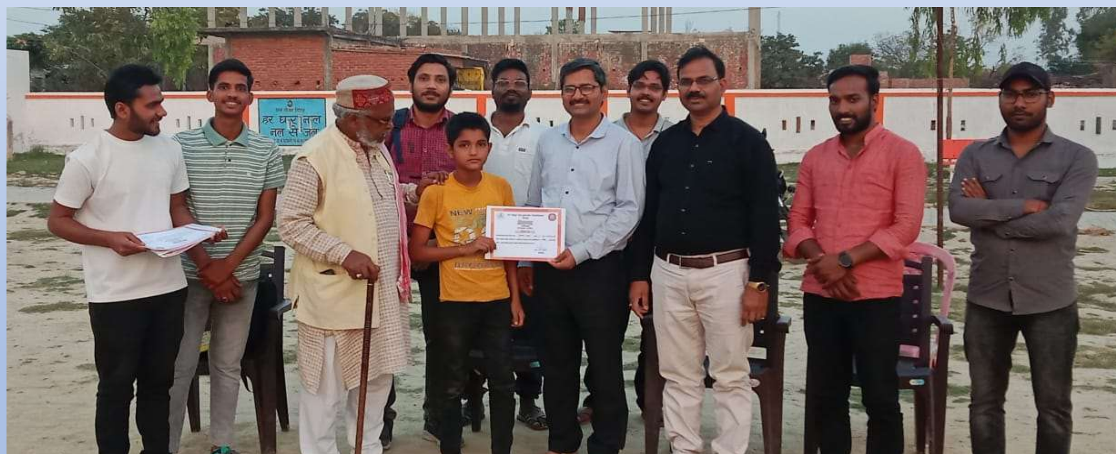

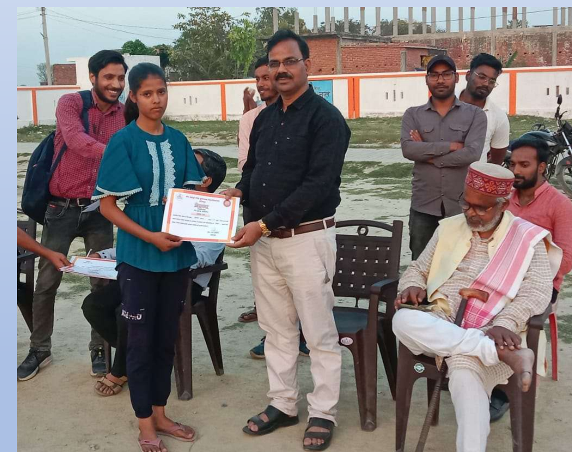

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ राज कुमार के साथ

प्रेरणा

(वंचितों को निःशुल्क शिक्षा का एक प्रयास)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम देवकली, जौनपुर में पूर्णतया निःशुल्क शिक्षण कक्षाएँ "प्रेरणा" चलाई जा रही हैं। इन कक्षाओं से विश्वविद्यालय परिसर के आस–पास के गाँव देवकली, भटानी और जासोपुर के लगभग 150 छात्र एवं छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। इन कक्षाओं में एलकेजी से कक्षा 12 तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है। इन कक्षाओं की शुरुआत इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष के छात्र विशाल सिंह के नेतृत्व में दिनांक 4 फरवरी, 2014 को हुई थी। जिसमें इंजीनियरिंग के 10 बच्चों ने गाँव के 30 छात्रों को पढ़ाना प्रारंभ किया। गत तीन वर्षों की प्रेरणा कक्षाओं के संचालन के उपरांत बच्चों के ज्ञान का स्तर काफी बढ़ा है और आसपास के गाँव में बच्चों के अभिभावक भी विश्वविद्यालय के छात्रों के इस प्रयास से काफी खुश हैं। आज इन कक्षाओं में बच्चे सेंट्रल हिन्दू स्कूल, वाराणसी की प्रवेश परीक्षा हेतु भी निःशुल्क तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान सत्र का संचालन इंजीनियरिंग के चतुर्थ वर्ष के छात्र आशुतोष चौधरी, विशाल मणि पासवान, अंकित सिंह, ज्ञानचंद्र सिंह, अमित कुमार यादव, संदी[illegible] कुमार, विभूति नारायण एवं अमित यादव समेत 27 छात्रों के कठिन परिश्रम एवं डॉ. राजकुमार की देख–रेख में चल रहा है। समय–समय पर बच्चों के चहुँमुखी विकास के लिए प्रेरणा में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है और बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणा कक्षाओं के माध्यम से जहां एक तरफ वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा जा रही है वहीं ही उनके व्यक्तित्व विकास के लिए भी पाठ्यक्रम से इतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रेरणा कक्षा के विद्यार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय का भ्रमण भी कराया जाता है जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सकें।

प्रेरणा कोचिंग के बारे में विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान में प्रकाशित लेख

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत कोचिंग में अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं एवं प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ राज कुमार के साथ

अध्यापन करते हुए प्रेरणा
कोचिंग के संयोजक
डॉ राज कुमार

मन से पढ़े, सपने होंगे साकारः कुलपति

अमर भारती ब्यूरो।

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने गुरुवार को प्रेरणा निशुल्क कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चों से मुलाकात की, सवालों को पूछा और ब्लैक बोर्ड पर पढ़ाया भी कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग में अपना योगदान देना बहुत ही नेक काम है। उनकी लगन और मेहनत का असर है कि गांव के बच्चों के चेहरे पर मुस्कान है।

उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा मन लगाकर पढ़े यही पढ़ाई आपके सपने को साकार करेगी।गौरतलब है कि विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में वर्ष 2014 से ग्रामीण बच्चों के लिए निशुल्क कोचिंग संचालित की जाती है। इसमें

- **प्रेरणा कोचिंग के ग्रामीण बच्चों से मिली कुलपति**
- **प्रेरणा कोचिंग से 1700 से अधिक बच्चे हुए लाभान्वित**

विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले बच्चे अपनी सेवा देते हैं और ग्रामीण बच्चों को कोचिंग पढ़ाते हैं। वर्तमान वर्ष में इस निःशुल्क कोचिंग से 151 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं प्रेरणा कोचिंग में एलकेजी से 12 वीं तक में पढ़ने वाले बच्चे आते है। शुरुआत में कोचिंग पढ़ाने वाले शिक्षकों जो कि इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के विद्यार्थी थे उनकी संख्या 8 थी। इस समय 22 विद्यार्थी अपनी सेवा दे रहे है। प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने कोचिंग की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला एवं विद्यार्थियों से परिचय कराया. उन्होंने कहा कि अभी तक इस कोचिंग से 1708 बच्चे लाभान्वित हुए हैं. इस अवसर पर कोचिंग पढ़ाने वाले अभिषेक,आनंद यादव, ओमप्रकाश, विकास, सौरभ, आदित्य, अभिजीत, कौशल, अमन, स्वर्णिम, अफ़जल अली, आयुष यादव उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, शुक्रवार, 20 अक्टूबर, 2023

मन से पढ़ें, सपने होंगे साकार : प्रो. वंदना सिंह

मुलाकात

प्रेरणा कोचिंग के ग्रामीण बच्चों से मिलीं कुलपति

प्रेरणा कोचिंग से 1700 से अधिक बच्चे हुए लाभान्वित

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने गुरुवार को प्रेरणा निशुल्क कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चों से मुलाकात की। सवालों को पूछा और ब्लैक बोर्ड पर पढ़ाया भी। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणा निशुल्क कोचिंग में अपना योगदान देना बहुत ही नेक काम है। उनकी लगन और मेहनत का असर है कि गांव के बच्चों के चेहरे पर मुस्कान है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा मन लगाकर पढ़े यही पढ़ाई आपके सपने को साकार करेगी।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में वर्ष 2014 से ग्रामीण बच्चों के लिए निशुल्क कोचिंग संचालित की जाती है। इसमें विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले बच्चे अपनी सेवा देते हैं और ग्रामीण बच्चों को कोचिंग पढ़ाते हैं। वर्तमान वर्ष में इस निःशुल्क कोचिंग से 151 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। प्रेरणा कोचिंग में एलकेजी से 12 वीं तक में पढ़ने वाले बच्चे आते है। शुरुआत में कोचिंग पढ़ाने वाले शिक्षकों जो कि इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के विद्यार्थी थे उनकी संख्या 8 थी। इस समय 22 विद्यार्थी अपनी सेवा दे रहे है। प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने कोचिंग की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला एवं विद्यार्थियों से परिचय कराया। उन्होंने कहा कि अभी तक इस कोचिंग से 1708 बच्चे लाभान्वित हुए हैं। इस अवसर पर कोचिंग पढ़ाने वाले अभिषेक, आनंद यादव, ओमप्रकाश, विकास, सौरभ, आदित्य, अभिजीत, कौशल, अमन, स्वर्णिम, अफजल अली, आयुष यादव उपस्थित रहे।

गांव के बच्चों को शिक्षा देना पुण्य का काम : कुलपति

- कुलपति ने रखा अम्मा कोचिंग चलाने का भी प्रस्ताव
- देवकली में आठ साल से चल रही निःशुल्क कोचिंग

भारत एकता टाइम्स/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित देवकली पंचायत भवन में सोमवार को प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों ने वार्षिक दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बच्चों को जीवन की कठिनाइयों को दूरकर प्रेरणा कोचिंग आगे बढ़ाने का काम कर रही है, यह पुण्य का काम है। विश्वविद्यालय इन बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगी। उन्होंने अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव रखा। कहा कि अगर अम्मा पढ़ेंगी पूरा परिवार शिक्षित होगा। गौरतलब है कि 4 फरवरी 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग निरंतर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं. वर्तमान समय में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं. विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकॉन हैं। विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। देश के विकास का रास्ता गांव से ही होकर जाता है। विशिष्ट अतिथि छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है जो इससे जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़कर गांव के बच्चे बड़ा सपना देख रहे हैं। प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो.रजनीश भास्कर, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, इंद्रेश गंगवार, सच्चिदानन्द मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

शिक्षा | देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का मनाया गया स्थापना दिवस

आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला

संवाद न्यूज एजेंसी

करंजाकला। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस मनाया गया। जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गणित के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा अच्छा कार्य किया है।

देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलतीं कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या। संवाद

बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए।

कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद आदि उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी के बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने गोद लिए गए देवकली गांव के बल्ली का पूरा आंगनबाड़ी केंद्र पर 100 बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. राहुल सिंह ने बच्चों मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। संचालन प्रो. राकेश कुमार यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने किया। इस अवसर मौके पर प्रधानाध्यापिका मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका अर्चना यादव, रिंका यादव, जीतेंद्र कुमार यादव, शिक्षा मित्र दयानाथ, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनय कुमार वर्मा व रिंसू सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

प्रेरणा कोचिंग का 11वां स्थापना दिवस समारोह हुआ आयोजित

जौनपुर धारा

जौनपुर। देवकली के पंचायत भवन में प्रेरणा कोचिंग के 11वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वी.बी.एस पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने की। बच्चों के कार्यक्रम को देखा और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण बच्चों के लिए यह सेवा निरंतर जारी रहेगी। ऐसी मुझे पूरी उम्मीद है। इस कोचिंग की सफलता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के समर्पण की देन है।

मुख्य अतिथि के तौर पर इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल दिल्ली के डॉ.आर.पी. सिंह ने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा की और हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने आस पड़ोस के ग्रामीण बच्चों को निशुल्क कोचिंग देकर बहुत ही पुनीत कार्य कर रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश ठकराल ने कार्यक्रम के आए ग्रामीण महिलाओं से आग्रह किया कि अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालें। उन्हें महापुरुषों की कहानिया सुना कर प्रेरित करते रहे। अतिथियों का परिचय विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन डॉ.मनीष प्रताप सिंह ने कराया। प्रो.राज कुमार, चीफ प्रॉक्टर ने प्रेरणा कोचिंग की आख्या प्रस्तुति की। बतौर विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने प्रेरणा कोचिंग में अपना सहयोग कर रहे छात्र-छात्राओं से इस मुहिम को जारी रखने के लिए अपील की। डॉ.इंद्रेश गंगवार ने बच्चों को प्रेरित करने के लिए सदुणों के विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अफजल, अजमत एवं नदीम ने किया तथा डॉक्टर मनोज पांडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो.विक्रम देव, प्रो.मिथिलेश सिंह, डॉ.सुरेंद्र कुमार, डॉ.नृपेंद्र सिंह, डॉ.प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, हम प्रेरणा में शिक्षण कार्य में सहयोग करने वाले छात्र आयुष यादव, आनन्द यादव, विकास यादव, सत्यम, ओमप्रकाश, अभिषेक कुमार, अंकित ठाकुर सौरभ, अनी, शिव चौहान, अरुण गौतम, कौशल प्रताप, अमन कुमार यादव, रिचा, मोहम्मद अंसारी अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सहित शामिल हुए।

प्रेरणा कोचिंग का मनाया गया 11वां स्थापना दिवस

स्थापना

तेजस टूडे ब्यूरो. विरेन्द्र यादव

सरायख्वाजा, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के देवकली गांव के पंचायत भवन में प्रेरणा कोचिंग के 11वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने की जिन्होंने बच्चों के कार्यक्रम को देखते हुये उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण बच्चों के लिए यह सेवा निरंतर जारी रहेगी, ऐसी मुझे पूरी उम्मीद है। इस कोचिंग की सफलता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के समर्पण की देन है। मुख्य अतिथि के तौर पर इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल दिल्ली के डॉ आरपी सिंह ने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा करते हुये हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय अपने आस पड़ोस के ग्रामीण बच्चों को निशुल्क कोचिंग देकर बहुत ही पुनीत कार्य कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश ठकराल ने कार्यक्रम के आये ग्रामीण महिलाओं से आग्रह किया कि अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालें। उन्हें महापुरुषों की कहानिया सुना कर प्रेरित करते रहे।

अतिथियों का परिचय विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन डॉ मनीष प्रताप सिंह ने कराया। प्रो0 राजकुमार चीफ प्रॉक्टर ने प्रेरणा कोचिंग की आख्या प्रस्तुति की। बतौर विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी संजय राय ने प्रेरणा कोचिंग में अपना सहयोग कर रहे छात्र-छात्राओं से इस मुहिम को जारी रखने के लिए अपील की। डॉ. इंद्रिश गंगवार ने बच्चों को प्रेरित करने के लिए सदुणों के विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अफजल, अजमत एवं नदीम ने संयुक्त रूप से किया डा. मनोज पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में प्रो. विक्रम देव, प्रो. मिथिलेश सिंह, डा. सुरेंद्र कुमार, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, छात्र आयुष यादव, आनंद यादव, विकास यादव, सत्यम, ओम प्रकाश, अभिषेक कुमार, अंकित ठाकुर, सौरभ, अनी, शिव चौहान, अरुण गौतम, कौशल प्रताप, अमन यादव, रिचा, मोहम्मद अंसारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।